भारत सरकार

विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या – 1343
दिनांक 06.02.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

भारत बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय संबंध

†1343 श्री गिरिधारी यादव
श्री दिनेश चंद्र यादव
श्री रामप्रीत मंडल

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि;

(क) क्या भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय संबंध वर्तमान में एक संवेदनशील चरण से गुजर रहे हैं यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या पाकिस्तान इस स्थिति का फायदा उठाने का प्रयास कर रहा है जो देश के लिए हानिकारक हो सकती है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक नागरिकों, विशेषकर हिन्दुओं की कथित सार्वजनिक हत्याओं के बारे में अंतरिम सरकार के साथ कोई विचार-विमर्श किया है; और
(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क से घ) पड़ोसी देश होने के नाते भारत और बांग्लादेश ऐतिहासिक, भौगोलिक, सांस्कृतिक, भाषाई और सामाजिक रूप से गहरे संबंध साझा करते हैं। हमारे द्विपक्षीय संबंध जन-केंद्रित विकास पर केंद्रित हैं। दोनों देशों के बीच संस्थागत द्विपक्षीय तंत्रों के तहत कई आदान-प्रदान और बैठकें निरंतर होती रही हैं। लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के लिए भारत का समर्थन अंतरिम सरकार को सभी प्रासंगिक बैठकों में स्पष्ट रूप से बताया गया है।

बांग्लादेश के साथ भारत के संबंध तीसरे देशों के साथ उसके संबंधों से स्वतंत्र हैं। सरकार भारत के राष्ट्रीय हितों को प्रभावित करने वाले घटनाक्रमों पर निरंतर नजर रखती है और उनकी रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करती है।

भारत ने प्रासंगिक अवसरों पर, यहां तक कि उच्चतम स्तर पर भी, बांग्लादेश के अधिकारियों के समक्ष अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा लगातार उठाया है। इस मुद्दे को प्रधानमंत्री ने 4 अप्रैल 2025 को मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के साथ अपनी बैठक के दौरान और विदेश मंत्री ने 16 फरवरी 2025 को विदेश सलाहकार तौहीद हुसैन के साथ अपनी बैठक के दौरान उठाया था।

बांग्लादेश सरकार अल्पसंख्यकों की सुरक्षा से संबंधित रिपोर्ट पर लगातार नजर रख रही है। बांग्लादेश सरकार का यह प्राथमिक दायित्व है कि वह धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों सहित बांग्लादेश के सभी नागरिकों के जीवन, स्वतंत्रता और कल्याण की रक्षा करे।

*****